सत्यमेव जयते

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

इस्पात राज्य मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी भारत के जन–जन की अभिव्यक्ति की भाषा है। हिंदी ने हमारे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया है तथा अनेकता में एकता की भावना को जीवंत बनाए रखा है। वस्तुतः सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधताओं वाले हमारे देश को एक सूत्र में बांधने में हिंदी की भूमिका अतुलनीय है। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को देखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। अतः 14 सितंबर को हम प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

यह सर्वविदित है कि राष्ट्र के निर्माण में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। आज राजभाषा हिंदी आपस में संपर्क का एक महत्वपूर्ण माध्यम ही नहीं है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भाषायी पहचान है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जिसमें शासन और जनता के मध्य दूरी न हो। हर देशवासी स्वयं को व्यवस्था का अभिन्न अंग समझे और यह तभी संभव है जब हम पूरी निष्ठा के साथ हिंदी को अपने दैनिक काम–काज और व्यवहार का हिस्सा बनाएंगे। यह हमारा संवैधानिक दायित्व भी है कि हम अपने सरकारी काम–काज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

केवल हिंदी दिवस या पखवाड़ा जैसे आयोजनों तक ही हिंदी को सीमित रखने से हम इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएंगे। हमें इसे हृदय से अपनाना होगा। सरकारी काम–काज में भी अनुवाद पर निर्भर रहने की बजाय हमें मूल रूप से हिंदी में कार्य करना चाहिए। इससे न केवल हमारी भाषा सहज और सरल बनी रहेगी बल्कि मौलिक रूप से हिंदी में कार्य करने से हम भी धीरे–धीरे हिंदी भाषा में कार्य करने के प्रति सहज होते जाएंगे। आज आधुनिक तकनीकों जैसे कि यूनिकोड टाइपिंग टूल, विभिन्न अनुवाद टूलों, वॉइस टाइपिंग का उपयोग किया जाने लगा है, जिससे राजभाषा हिंदी में कार्य करना काफी सहज और आसान हो गया है। आवश्यकता एक बार सच्चे मन से शुरुआत करने की है। निस्संदेह अपनी भाषा में कार्य करने पर आपको एक सुखद अनुभव होगा।

मैं आशा करता हूं कि आप सभी अपने कार्यालयों में सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करेंगे और देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने में भागीदार बनेंगे।

पुनः हिंदी दिवस की शुभकामनाओं सहित।

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक 14 सितंबर, 2020

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

(फग्गन सिंह कुलस्ते)